Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ मंगला गौरी पूजा सामग्री ॥

॥ जय मंगला गौरी माता ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ सामान्य पूजा सामग्री ॥

मंगला गौरी का पूजन श्रावण के मंगलवार को देवी पार्वती के गौरी रूप के लिए किया जाता है। वस्तुओं की सूची घर और क्षेत्र के अनुसार बदलती है। नीचे सामान्य सामग्री दी है; पहले अपनी पारिवारिक रीति जान लें।

प्रतिमा और पूजा-स्थान

देवी गौरी का चित्र या प्रतिमा, साफ चौकी, लाल या पीला वस्त्र, आसन, जल का कलश अथवा लोटा और पूजा की थाली रखें। गणेशजी का चित्र या प्रतीक रखने की रीति हो तो उसे भी तैयार करें।

अर्पण की सामग्री

कुमकुम या रोली, हल्दी, अक्षत, चंदन, फूल, मौली, दीपक, बाती, घी या तेल, धूप, फल, मिठाई और नैवेद्य लें। पान, सुपारी, नारियल तथा चुनरी उपलब्ध हों और घर में प्रचलित हों तो रखें।

श्रृंगार और प्रसाद

चूड़ी, बिंदी, कंघी, सिंदूर या अन्य सौभाग्य-सामग्री कुछ परिवार देवी को अर्पित करते हैं। प्रसाद में लड्डू, फल या घर का पकवान रखा जा सकता है। किसी वस्तु की अनुपलब्धता पूजा छोड़ने का कारण नहीं है।

॥ सोलह की संख्या और तैयारी ॥

सोलह अर्पण की रीति

कई परंपराओं में सोलह फूल, सोलह पत्ते, सोलह बत्तियाँ या सोलह प्रकार की सामग्री का उल्लेख मिलता है। वस्तुओं का चयन और उनकी संख्या अलग-अलग परिवारों में अलग है। उपलब्धता तथा सामर्थ्य के अनुसार अपने घर का विधान अपनाएँ।

दीपक और कलश

सुरक्षित दीपक, बाती और साफ जल वाला कलश तैयार रखें। कुछ घर आटे का दीपक या विशेष बत्ती बनाते हैं। आग जलाते समय पर्दों, सूखे फूलों और बच्चों से पर्याप्त दूरी रखें।

कथा और आरती

मंगला गौरी की कथा, प्रार्थना और आरती की प्रति पास रखें। पूजा के बाद प्रसाद रखने और बाँटने के लिए साफ पात्र तैयार करें। साझा पूजा या जागरण की योजना हो तो बैठने और पानी की व्यवस्था करें।

विशेष हवन, षोडश मातृका या सोलह-सोलह वस्तुओं की विस्तृत विधि के लिए अपनी परंपरा के जानकार पुरोहित से मार्गदर्शन लें।

HARGHARPANDITJI
PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS

॥ जय मंगला गौरी माता ॥